परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	250/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

''प्रयास'' 'रिश्तो को जोडने का' निरंतर जारी रहेगा

आज समय की रफ्तार इतनी तेज है कि पुरानी मान्यताऐं पुराने तौर तरीके पीछे छूटते जा रहे है या हम उन्हें छोड रहे है। आजादी के बाद समाज में चेतना और विचार, काम करने की शैली और मेल-मिलाप के तरीकों में बहुत अंतर आया है, परिणाम स्वरूप सामूहिक परिचय सम्मेलन व परिचय पुस्तिका समय की जरूरत बन कर हमारी मुश्किलों को आसान कर रही है। आज हालत, पसन्द व योग्यता के पैमाने बदल गये है, युवक-युवतियों की पसंद को प्राथमिकता मिलने लगी है। युवा अपने जीवन साथी के लिये सपने सजोने लगे है, साथ ही माता-पिता की चिंता भी बढ़ने लगी है। रिश्तेदारों की राय उनकी पसन्द के अनुसार रिश्ते ढुंढे जाने लगते है लेकिन समस्या यह है कि कुछ लोग अपने आप में इतना सिमट गये है कि उनकी रिश्तेदारी व समाज परिवारों की जानकारी नहीं के बराबर रहती है। युवाओं की सोच का विशाल क्षेत्र, उच्च शैक्षणिक योग्यताएं, ऊंचे व्यवसाय, विदेशी नौकरियां व मध्यस्तों की विश्वसनीयता इत्यादि पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है ? ऐसी अनेक समस्याओं से हम सभी रूबरू हो रहे है। माता-पिता के लिये भी यह समय किसी अगनी परिक्षा से कम नहीं होता है क्योंकि बच्चों के सम्पूर्ण जीवन का सवाल है। अब वह समय नहीं रहा कि हम घर-घर जाकर वर-वधू का चयन करें। कई बार ऐसा होता है दूर शहरों में जाकर पैसा व समय खर्च कर पता चलता है कि कुछ भी पसंद नहीं आया है, कुंडली व बायोडाटा इकठ्ठा करने में काफी श्रम व धन लगता है। इन सभी कठिनाईयों को दूर करने के लिये वर्तमान समय में परिचय सम्मेलन और परिचय पुस्तिका समय की मांग भी है जैसे ही युवक-युवतियां विवाह योग्य होती है परिजनों को परिचय सम्मेलन व परिचय पुस्तिका की याद आने लगती है। बडे शहरों में एक वर्ष में 5-6 परिचय सम्मेलन होना आम बात हो गई है। इन परिचय सम्मेलनों में सम्रग जैन समाज के प्रत्याशियों की जानकारी सहज ही उपलब्ध हो जाती है कुछ पत्रिकाओं में प्रविष्टि शुल्क 800 से 1000 रु तक का रहता है, इनमें हजारों की संख्या में बायोडाटा प्रकाशित होते है। पत्रिका प्राप्त होते ही योग्य प्रत्याशी खोजने का कार्य प्रारंभ हो जाता है। ऑनलाईन विवाह संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए भी हजारों रुपये शुल्क देकर सीमित समय के लिए ही सुविधा प्राप्त होती है, इसमें धोखाधडी की संभावना ज्यादा होने से यह विश्वासनीय नही है।

गोलालारीय दर्शन पत्रिका गत कई वर्षो से विवाह योग्य प्रत्याशियों की जानकारी उपलब्ध कराने का कार्य न्यूनतम राशि में करने के लिए संकल्पित है। गतवर्ष सिद्धक्षेत्र पवागिरी में ''प्रयास'' 'रिश्तो को जोडने का' पत्रिका का विमोचन कर पत्रिका न्यूनतम दर पर उपलब्ध कराई गई हमारे इस प्रयास को काफी सराहा गया। इस वर्ष भी पत्रिका प्रकाशन के लिए लोगो द्वारा अनुरोध किये गये। इस संदर्भ में हमारा विचार है कि पत्रिका एक वर्ष छोड प्रकाशित की जावें ताकि बायोडाटा में नवीनता बनी रहे। हमारा प्रयास है कि अगले वर्ष 2017 में पत्रिका आपको लगनसरा शुरु होने के पहले ही मिल जाये ताकि अधिकतम जानकारियों में से आप योग्य प्रत्याशी का चयन कर सकें। अकसर कुछ परिजन पूर्वाग्रह वश अपने बच्चों के बायोडाटा पत्रिका में प्रकाशित करवाने में झिझकते है उनका ऐसा सोच है कि पत्रिका में बायोडाटा छपनें के पश्चात एवं अच्छे संबंध नही आ पाते। वे शहर शहर जाकर अपने रिश्तेदारो से संपर्क कर संबंधो की जानकारी चाहते है, परंतु आज के इस व्यस्तम जीवन में हम भी इन पत्रिकाओ के माध्यम से ही जानकारी प्राप्त कर उन्हे देते है अंत में वे भी थक हारकर इन्ही पत्रिकाओं का सहारा लेते है। ऐसी दोहरी मानसिकता के कारण वें अपनें बच्चों के बायोडाटा प्रकाशित न करवा कर योग्य संबंधों की जानकारियों से वंचित तो होते ही है साथ ही अपने बच्चों की जानकारी भी समाजजनों तक पहुँता नहीं पाते है।

आज हमें इस विषय पर गंभीरता से विचार कर इस ''प्रयास'' को निरंतर बनाये रखना होगा। प्रत्येक नगर के उन लोगों को इस अभियान से हमें जोडना होगा जो हृदय से चाहते है कि विवाह संबंध की पहली सीढी 'योग्य प्रत्याशी' चयन के लिए हम अपना योगदान निष्ठापूर्वक दे सकें। जिन नगरों में संगठित समाज है वहाँ के पदाधिकारी ऐसे प्रयासों में आगे बढकर सहयोग प्रदान करने की भावना बनाये रखे। केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों को अपना नेतृत्व दायित्व का निर्वाह कर प्रतिवर्ष अलग अलग नगरो में स्थानीय संगठनों के माध्यम से परिचय सम्मेलन, परिचय पत्रिका व विवाह संबंधों की जानकारी हेतु कार्यक्रमों का आयोजन करनें की पहल करना चाहिये। गोलालारीय दर्शन के अंतर्गत ''प्रयास'' 'रिश्तों को जोडने' का के द्वितीय अंक का प्रकाशन अगस्त 2017 में किया जावेगा। जिसके लिए प्रविष्टि फार्म 2017 में लगनसरा खत्म होनें के पश्चात जुलाई 2017 के अन्त तक आप जमा करा सकेगें व नवीन वैवाहिक सत्र प्रांरभ होने के पूर्व ही जानकारी उपलब्ध करा दी जावेगी व परिजनों को बातचीत व अन्य जानकारी प्राप्त करनें के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। ''प्रयास'' 'रिश्तो को जोडने' का के द्वितीय अंक के लिए हम मई 2017 से प्रक्रिया प्रांरभ कर प्रत्येक नगर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रविष्टि फार्म व सूचनाएँ उपलब्ध करायेगें। हमारा इस बार भी यही प्रयास रहेगा कि न्यूनतम राशि पर हम योग्य प्रत्याशियों की अधिकतम जानकारी आप तक पहुंचा पाये। हमे योग्य संबंधों के लिए बच्चों की शैक्षाणिक व वैचारिक आवश्यकताओं को देखते हुए संबंध चुनने के प्रयास में समाजजनों सहयोग करना होगा। छोटे नगरो के बच्चों को उनकी योग्यता अनुसार उचित संबंध बता सके ऐसे प्रयास हम निरंतर जारी रखेगें।

साधना जैन, आकाशवाणी - भोपाल

हार्दिक बधाईयाँ

कु. एनी साक्षी - समीर जैन को तैराकी में मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित शिखर खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंहजी चौहान द्वारा एकलव्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कु. एनी जैन ने देश की अनेक तैराकी स्पर्धाओं में प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। भव्य गौरवशाली अलंकरण समारोह में खेल हस्तीओं के साथ रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता पीवी सिंधु भी मौजूद थी जिन्होंने एनी जैन को बधाईयाँ देते हुए उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर एनी जैन के परिवार के कई सदस्य मौजूद थे। एनी जैन श्रीमती सुधा-सुरेशचंद जैन एसबीआई, विदिशा वालों की पोत्री है।